संदेश

प्यारे बच्चों,

बड़े गर्व की बात है कि आपने अपने–अपने लक्ष्य को पा लिया है तथा जीवन में सदैव आगे बढ़ने को तत्पर रहते हैं।

जीवन के मार्ग में कितनी भी कठिनाइयाँ या बाधाएँ आएँ, कभी हिम्मत नहीं हारना। दष्ढ़ता से आगे बढ़ते रहो। रास्ते अपने आप बन जाएँगे। बाधाएँ तो एक चुनौती हैं। बिना चुनौती के मानव आगे नही बढ़ सकता।

कहा भी गया है– **वह पथ क्या, पथिक परीक्षा क्या**
जिस पथ पर बिखरे शूल न हो,
नाविक की धैर्य परीक्षा क्यों
जब धाराएँ प्रतिकूल न हों।

सकारात्मक प्रवृत्ति रखते हुए सदैव जीवन में आगे बढ़ते रहें। जैसी आपकी दृष्टि होगी वैसी सृष्टि बनेगी। हमारे युवावर्ग जैसी सोच रखेंगे आने वाला भारत भी वैसा ही होगी।

अतः समय के मूल्य को पहचानते हुए उसका सदुपयोग करें। समय सबके जीवन में एक बार दरवाज़ा अवष्य खटखटाता है। आवष्यकता है उसे पहचानने की और उस पर आगे बढ़ने की। समय मानव को संबोधित करते हुए कहता है।

मैं समय हूँ, देख मुझको
लौट के न आऊँगा,
कद्र कर मेरी ए मानव
सर्वस्व तुझे दे जाऊँगा।

मैं गर्व का अनुभव करती हूँ कि मेरे पढ़ाए हुए बच्चे आज कहाँ से कहाँ पहुँच गए। आपके सुनहरे और उज्जवल भविष्य के लिए मेरी शुभकामनाएँ सदैव आपके साथ हैं।

शुभकामनाओं सहित।

शषि बत्ता
(हिन्दी अध्यापिका)